"असंतुष्ट मनुष्य होना संतुष्ट सूअर होने से बेहतर है; असंतुष्ट सुकरात होना संतुष्ट मूर्ख होने से बेहतर है।

यह कथन उच्च स्तर की सुख संवेदनाओं (जैसे बौद्धिक और भावनात्मक संतोष) को प्राथमिकता देता है, न कि केवल साधारण और शारीरिक सुखों को। क्या आप इस कथन से सहमत हैं, अपने उत्तर के साथ तर्क दें।

6. What are the four purusharthas? In what ways do they offer a holistic approach to life that integrates both material and spiritual well-being?

चार पुरूषार्थ क्या हैं ? वे किस प्रकार जीवन के प्रति समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं जो भौतिक और आध्यात्मिक कल्याण दोनों को एकीकृत करता है?

7. In what ways does Niskamakarma align with the idea of serving a higher purpose or divine will?

निष्कामकर्म किस प्रकार उच्च उदेश्य या ईश्वरीय इच्छा की पूर्ति के विचार से मेल खाता है ?

8. Discuss the concept of Ahimsa with reference to Indian Value System.

भारतीय मूल्य प्रणाली के संदर्भ में अहिंसा की अवधारणा पर चर्चा करें।

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **6536** **I**

Unique Paper Code : 2102101203

Name of the Paper : Ethics

Name of the Course : Philosophy B.A (H) DSC

Semester : II

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Attempt any **five** questions.
किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(c) **All** questions carry equal marks.
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(d) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.
इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

1. How does customary morality differ from reflective morality in terms of its formation and application?
अपने निर्माण और अनुप्रयोग के संदर्भ में प्रथागत नैतिकता चिंतनशील नैतिकता से किस प्रकार भिन्न है ?

2. Is Cultural Relativism an effective framework for resolving moral disputes? Explore the strengths and weaknesses of Cultural Relativism in addressing diverse moral issues.
क्या सांस्कृतिक सापेक्षवाद नैतिक विवादों को सुलझाने के लिए एक प्रभावी ढांचा है? विविध नैतिक मुददों को संबोधित करने में सांस्कृतिक सापेक्षवाद की शक्तियों और कमजोरियां का अन्वेषण करें।

3. How does Aristotle's concept of Eudaimonia shape the foundation of virtue ethics? In what way do virtues contribute to achieving a flourishing life?

अरस्तु की यूडेमोनिया की अवधारणा किस तरह से सद्‌गुण नैतिकता की नींव को आकार देती है? किस तरह से सद्‌गुण एक समृद्ध जीवन प्राप्त करने में योगदान करते हैं?

4. "Act only according to that maxim by which you can at the same time will that it should become a universal law."- Immanuel Kant, Groundwork of the Metaphysics of Morals. Explain. Why does Immanuel Kant consider the Categorical Imperative to be the basis of moral law?
'केवल उसी सिद्‌धांत (नियम) के अनुसार कार्य करो, जिसे तुम इस रूप में चाहो कि वह एक सार्वभौमिक नियम बन जाए'। इमैनुएल कांट, Groundwork of the Metaphysics of Morals इमैनुअल कांट ने नैतिक कानून का आधार निरपेक्ष आदेश को क्यों माना है?

5. "It is better to be a human dissatisfied than a pig satisfied; better to be Socrates dissatisfied than a fool satisfied," This quote emphasizes the value higher-ordr pleasures, such as those derived from intellectual and emotional pursuits, over simple, basic satifactions. Do you agree with this statement? Give justifications.